

Aarav और दिवाली की जादुई रोशनी



Kid Panda



यह किताब सिर्फ Aarav के लिए,
ढेर सारे प्यार के साथ ❤️

आज दिवाली है! आँगन में रंगोली सजी है
और हर तरफ़ दीये टिमटिमा रहे हैं। Aarav
ने अपनी थाली में छोटे-छोटे दीये सजाए।





एक-एक करके सारे दीये जल गए। पर एक नन्हा-सा दीया नहीं जला। "मैं बहुत छोटा हूँ," वह धीरे से बोला। "मेरी रोशनी किसी काम की नहीं।"





तभी छत से धप्प की आवाज़ आई! वहाँ एक
गोल-मटोल पांडा खड़ा था। "नमस्ते! मैं गोलू
पांडा हूँ। चलो, इस नन्हे दीये की रोशनी
ढूँढते हैं!"





अचानक पूरे मोहल्ले की बत्तियाँ चली गईं।
चारों ओर अँधेरा! Aarav ने नन्हे दीये को
हाथ में लिया और बोला, "डरो मत, हम साथ
हैं।"





गली के कोने में एक छोटी बिल्ली म्याऊँ-
म्याऊँ कर रही थी। वह अँधेरे से डरी हुई थी।
Aarav ने उसे प्यार से सहलाया... और नन्हा
दीया हल्का-सा चमक उठा!





आगे दादी जी अपना चश्मा ढूँढ रही थीं।
Aarav और गोलू ने मिलकर चश्मा ढूँढ
दिया। "जीते रहो!" दादी हँसीं। नन्हा दीया
और तेज़ चमका!





पार्क में एक बच्चा अकेला बैठा था। उसके पास मिठाई नहीं थी। Aarav ने अपने लड्डू आधे-आधे बाँट लिए। अब दीये की लौ खुशी से नाचने लगी!





"देखो!" गोलू चिल्लाया। "जब भी तुम किसी की मदद करते हो, दीया और चमकता है!"
Aarav ने दीये को देखा। वह अब सूरज जैसा चमक रहा था!





Aarav ने नन्हे दीये से पहला दीया जलाया,
फिर दूसरा, फिर तीसरा... देखते ही देखते
पूरा मोहल्ला जगमग हो गया!





नन्हा दीया खुशी से बोला, "मैं छोटा हूँ, पर मेरी रोशनी बड़ी है!" Aarav मुस्कुराया, "प्यार की रोशनी कभी छोटी नहीं होती।"







शुभ दीपावली, Aarav! 🕯️ तुम्हारी रोशनी हमेशा ऐसे
ही चमकती रहे।



Kid Panda

हर बच्चा अपनी कहानी का हीरो है।

Personalised storybooks · WhatsApp +91 89677 74084

A RedDot Publisher brand